विनियमन एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियुक्त तीन निधि व्यवस्थापकों में से एक है। एसबीआइपीएफ, जो स्टेट बैंक समूह की पूर्ण स्वामित्ववाली अनुषंगी है, ने अप्रैल 2008 से अपना कार्य प्रारंभ किया है। वर्ष 2008-09 के दौरान नई पेंशन प्रणाली के अंतर्गत प्राप्त पेंशन निधियों की कुल राशि के 55% भाग का प्रबंध करने का अधिदेश एसबीआइपीएफ को प्राप्त हुआ है। 31 मार्च 2009 को कंपनी की 'प्रबंध अधीन आस्तियों' की कुल राशि रु. 1,173.23 करोड़ रही, जिस पर रु. 26.32 लाख का प्रबंध शुल्क प्राप्त हुआ। कंपनी को रु. 0.04 करोड़ का निवल लाभ हुआ।

सहयोगी एवं अनुषंगियों की वर्ष के दौरान प्रमुख गतिविधियाँ

- स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र, जिसकी अधिकांश शाखाएं गुजरात राज्य में हैं, और जो एक पूर्ण स्वामित्ववाला सहयोगी बैंक था, भारतीय स्टेट बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक और भारत सरकार के अनुमोदन से वर्ष के दौरान उसका अभिग्रहण कर लिया। अभिग्रहण के समय रु. 21,000 करोड़ से अधिक के एक आस्ति आधार के साथ इस सहयोगी बैंक की 461 शाखाएं थी।
- बैंक ने एसबीआइसीआइ बैंक, जो एक पूर्ण स्वामित्ववाली देशीय बैंकिंग अनुषंगी है, का भी अपने में विलय करने का निर्णय लिया है जिससे बैंक में समेकन एवं कार्यक्षमता में और वृद्धि हो। भारत सरकार से आवश्यक अनुमोदन की प्रतीक्षा है।
- एसबीआइकैप सिक्युरिटीज लि. (एसएसएल), जो एसबीआइ कैपिटल मार्केट्स लि. की एक पूर्ण स्वामित्ववाली अनुषंगी है, का भारतीय स्टेट बैंक द्वारा एक प्रत्यक्ष अनुषंगी के रूप में विलय किया जाना प्रस्तावित है जिससे ब्रोकिंग कार्यकलाप के साथ-साथ स्टेट बैंक समूह माध्यमों से अन्य धन-सम्पदा प्रबंधन उत्पादों का विपणन शुरू करके परस्पर तालमेल बढ़ाया जा सके। इस प्रस्ताव पर आवश्यक विनियामक अनुमोदनों की प्रतीक्षा की जा रही है।
- देशी और अंतरराष्ट्रीय आढ़त-व्यवसाय में बाजार अंश बढ़ाने की दृष्टि से और परिचालनों में समेकन और इनकी कार्यक्षमता को और बढ़ाने के लिए भी, बैंक ने अपनी दोनों अनुषंगियों, एसबीआइ फैक्टर्स और जीटीएफएल का विलय करने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव पर आवश्यक विनियामक अनुमोदनों की प्रतीक्षा की जा रही है।

ञ आस्ति गुणवत्ता

अनर्जक आस्ति प्रबंधन

अनर्जक आस्तियों में कमी लाने के प्रयासों की 31.03.2009 की स्थिति यहां नीचे प्रस्तुत की गई है:

तालिका : 11 आस्ति गुणवत्ता (रुपए करोड़ में)

1.	सकल अनर्जक आस्तियां	15589
	सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत	2.84%
2.	निवल अनर्जक आस्तियां	9552
	निवल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत	1.76%
3.	अनर्जक आस्तियों की नकद वसूली	2966
4.	मानक आस्तियों के रूप में कोटिउन्नयन	3402
5.	बट्टे खाते	1896
6.	अनर्जक आस्तियों में सकल कटौती (3+4+5)	8264
7.	अनर्जक आस्तियों के रूप में मानक आस्तियों में हालिया गिरावट	11015
8.	बट्टे खातों में वसूली	888

- कंपनी ऋण पुनर्गठन (सीडीआर) व्यवस्था और बैंक की अपनी योजना दोनों के अंतर्गत अपसामान्य मानक आस्तियों तथा अर्थक्षम अनर्जक आस्तियों के पुनर्गठन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई जिससे अनर्जक आस्तियों को बढ़ने से रोका जा सके तथा अनर्जक आस्तियों के वर्तमान स्तर को भी कम किया जा सके।
- इस प्रयोजन हेतु विशेष उल्लेख वाले खातों की पहचान एवं निगरानी संबंधी व्यवस्था भी तैयार की गई है जिससे शीघ्र समीक्षा करके त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकें।
- सारी बैंकिंग प्रणाली द्वारा कंपनी ऋण पुनर्गठन (सीडीआर) व्यवस्था को संदर्भित रु. 1,235 करोड़ के ऋण के कुल 20 मामलों में से बैंक ने सीडीआर को रु. 883 करोड़ के ऋण के 9 मामले संदर्भित किए हैं। संदर्भित मामलों में ऋण में हमारा अंश 72% था। सभी मामलों में, समय से हस्तक्षेप किए जाने से खातों की मानक आस्ति स्थिति को बनाए रखा जा सका।
- वर्ष के दौरान रु. 289 करोड़ की मूल बकाया राशि की 5 वित्तीय आस्तियों अन्य बैंकों/एआरसीआइएल को बेच दी गई।

ट. सूचना प्रौद्योगिकी

प्रौद्योगिकी का विस्तार होने तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग में वृद्धि होने से उत्पन्न हुए अवसरों का लाभ उठाने में बैंक सक्रिय रहा। वित्तीय समावेशन के लिए प्रौद्योगिकी का

Development Authority (PFRDA) for management of Pension Funds under the New Pension System for Central Government (except Armed Forces) and State Government Employees. SBIPF, wholly owned subsidiary of the State Bank Group, commenced its operations from April 2008. SBIPF has got the mandate to manage 55% of the total corpus of pension funds received under the New Pension System during 2008-09. The total "Assets Under Management" of the company as on 31st March 2009 was Rs.1,173.23 crores on which a management fee of Rs. 26.32 lacs was received. The Company recorded a net profit of Rs. 0.04 crores.

Important Developments during the year in Associates & Subsidiaries:

- State Bank of Saurashtra, a wholly-owned Associate Bank having major presence in the state of Gujarat, was acquired by SBI during the year with the approval of RBI and Govt. of India. The Associate Bank had 461 branches with an asset base of more than Rs.21,000 crores at the time of acquisition.
- The Bank has also decided to merge SBICI Bank Ltd., a wholly owned domestic banking subsidiary, with itself to bring about further synergy and efficiency. Necessary approval is awaited from the Government of India.
- SBI Cap Securities Ltd. (SSL)., which is a wholly owned subsidiary of SBI Capital Markets Ltd., is proposed to be taken over by SBI as a direct subsidiary in order to impart greater synergy by undertaking besides broking activities, marketing of other wealth management products through State Bank Group channels. The proposal is awaiting necessary regulatory approvals.
- With a view to improving the market share in domestic and international factoring business as also to have synergy in operations and optimising efficiency, the Bank has proposed to merge SBI Factors and GTFL, two of its own subsidiaries. The proposal is awaiting necessary regulatory approvals.

J. ASSET QUALITY

NPA Management

The position of NPA reduction as on 31.03.2009 is given hereunder.

Table : 11 Asset Quality (Rs. in crores)

1	Gross NPAs	15589
	Gross NPA Percentage	2.84 %
2	Net NPAs	9552
	Net NPA Percentage	1.76 %
3	Cash Recovery in NPA	2966
4	Upgradation to Standard Assets	3402
5	Write offs	1896
6	Gross reduction in NPAs (3+4+5)	8264
7	Fresh slippages of Standard Assets to NPA category	11015
8	Recovery in written off accounts	888

- Restructuring of impaired Standard Assets as well as viable non-performing assets, both under CDR mechanism as well as under Bank's own scheme, have been given top priority for arresting new additions and reducing the existing level of NPAs.
- The machinery for identification and monitoring of Special Mention Accounts by making prompt review and taking quick corrective action has also been geared up for the purpose.
- The Bank referred 9 cases with aggregate exposure of Rs. 883 crores to CDR mechanism this year out of a total of 20 cases with aggregate exposure of Rs. 1,235 crores referred to CDR by the whole Banking system. Our share in the debt in the cases referred was 72% by value. In all cases, timely intervention enabled the accounts to retain their Standard Asset status.
- Five financial assets involving principal outstandings of Rs. 289 crores have been sold to other banks/ARCIL during the year.

K. INFORMATION TECHNOLOGY

The Bank has been proactive in responding to the opportunities thrown open by evolving technology and increasing technology